Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to provide funds for Jaisalmer-Barmer-Bhabhar railway line project in Rajasthan.

कर्नल सोनाराम चौधरी (बाड़मेर) :

जैसलमेर-बाड़मेर-भाबर (गुजरात) – रेल लाईन की मांग विगत लगभग 20-22 वर्षों से लगातार की जा रही है। इस संबंध में तीन बार सर्वे कार्य हो चुका है। सर्वप्रथम 2000-2001 में जब मैं सांसद था तब सर्वे हुआ था और अन्तिम में 2013-14 में सर्वे हुआ। यह नई रेल लाईन सामरिक, आर्थिक एवं सांख्यिकीय दृष्टि एवं सीमान्त जिले बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर, सिरोही, पाली एवं गुजरात के राजस्थान से सटे क्षेत्र के विकास की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। इन जिलों में अनेक प्रकार के खनिज जैसे स्टीलबेस लाईम, लिग्नाईट, ग्रेनाइट, मार्बल, जिप्सम, बैन्टोनाईट एवं कच्चा तेल एवं प्राकृतिक गैस आदि प्रचुर मात्र में हैं। उनके परिवहन और अब रिफाइनरी लगने से पैट्रोकेमिकल उद्योग होने से इस रेलवे लाईन का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह रेल लाईन कांडला सीपोर्ट को जोड़ता है।

मैं विशेष तौर से प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपकी मेहरबानी से बहुप्रतीक्षित एवं जनउपयोगी इस नई रेलवे लाईन (जैसलमेर-बाड़मेर-भाबर 338.94 किमी की 5000 करोड़ रुपये की लागत) की बजट 2015-16 की घोषणाओं में 26.02.2016 को घोषित की गई। उल्लेखनीय है कि भाबर से कांडला वाया राधनपुर-सांतलपुर पूर्व से ही रेलवे लाईन है। यदि ऐसा होता है तो पश्चिम राजस्थान के 10 जिलों के अलावा गुजरात के कुछ जिले कांडला एवं मुन्दरा बन्दरगाह से सीधे जुड़ जाएंगे।

इसके बाद मैंने आदरणीय प्रधानमंत्री जी से व्यक्तिगत मुलाकात कर एवं माननीय मुख्यमंत्री जी से मुलाकात कर इस परियोजना के कार्य हेतु बजट प्रावधान कर कार्य को गति प्रदान करने का आग्रह किया। जिस पर दोनों ने मुझे जनहितकारी एवं महत्वपूर्ण इस परियोजना को गति प्रदान करने का आश्वासन दिया।

मैं यह बताना चाहता हूँ कि उक्त रेलवे लाईन परियोजना की घोषणा से दो लोकसभा क्षेत्र बाड़मेर-जेसलमेर, एवं जालोर-सिरोही साथ ही सम्पूर्ण पश्चिमी राजस्थान के साथ ही गुजरात का क्षेत्र भी लाभान्वित होगा। इस योजना से भारत-पाक सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों जैसे थल सेना, वायु सेना, सीमा सुरक्षा बल, अर्द्धसैनिक बल एवं गुप्तचर संस्थाओं को भी सुविधा होगी।

यह परियोजना भारत सरकार के रेलवे मंत्रालय एवं राजस्थान सरकार का संयुक्त उद्यम (Joint Venture) है। चूंकि इस परियोजना से Armed Forces भी लाभान्वित होगी इसलिए रक्षा मंत्रालय से कुछ राशि लेने के लिए दोनों मंत्रालयों में विचार-विमर्श हो रहा है। इस संबंध में मेरे द्वारा लोकसभा में 13वीं लोकसभा में 20.04.2000, 16वीं लोकसभा में 15.02.2014, 03.08.2015 एवं रेलवे मंत्रालय को 13.05.2015, 17.11.2015, 09.03.2016, 17.03.2015, 28.12.2017, 20.03.2018 एवं 28.03.2018 एवं दिनांक 01.01.2018 को माननीय प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखकर एवं तत्कालीन माननीय रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु को दिनांक 17.03.2017, 28.03.2017 एवं 28.12.2017 व 20.03.2018 को श्री पीयूष योयल साहब से व्यक्तिगत मुलाकात कर निवेदन किया गया था। उन्होंने बताया कि यह परियोजना अत्यन्त आवश्यक है और रेल विभाग, रक्षा मंत्रालय एवं राजस्थान सरकार मिलकर इस कार्य को प्रारम्भ करेंगे। चूंकि काम बहुत धीमी गति से चल रहा है। जिससे समय पर कार्य होना प्रतीत नहीं हो रहा है। इससे जब इस रेल लाईन की घोषणा की गई थी तब लाभान्वित क्षेत्र की स्थानीय जनता में अति उत्साह एवं हर्ष था,परन्तु उनकी यह आशा निराशा में बदलती जा रही है।

मैं माननीय प्रधानमंत्री जी, रेल मंत्री जी से आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूँ कि उक्त लम्बित एवं प्रतिक्षित परियोजना की बजट घोषणा के बाद यदि कार्य नहीं होता है तो पश्चिमी राजस्थान एवं गुजरात की जनता के साथ छलावा होगा ।

अत: मेरा सरकार से विनम्र आग्रह है कि आगामी बजट 2018-19 में नई रेल लाईन जैसलमेर-बाड़मेर-भाबर 338.94 किमी की 5000 करोड़ रुपये की लागत परियोजना हेतु बजट प्रावधान कर कार्य प्रारम्भ करने हेतु निर्देश प्रदान कार्य को गति प्रदान करावें।